पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति-निर्माताओं (peacemaking) के रूप में महिलाओं की भूमिका (role) तथा शांति-स्थापन (peacekeeping) में महिलाओं की अभिकरणता (agency) का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. बौद्ध धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म तथा मुस्लिम समाज में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. भारत में जाति की अवधारणा (concept of caste) किस प्रकार महिलाओं के जीवन का निर्धारण करती है?

4. भारत की उन महिला स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए जिन्होंने महिला सशक्तिकरण के बीज बोए।

5. भारत की महिला जनसंख्या (female population) से संबंधित प्रमुख जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियाँ (demographic trends), चुनौतियाँ (challenges) और प्रक्षेपणों (projections) की विवेचना कीजिए, जिनमें लिंगानुपात (sex ratios), साक्षरता दर (literacy rates), कार्यबल में सहभागिता (workforce participation), ग्रामीण–शहरी विभाजन (rural-urban divides) तथा पुत्र-प्राथमिकता (sons' preference) जैसे कारक (factors) सम्मिलित हों।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) जेंडर मुख्यधारीकरण (gender mainstreaming)
   ख) महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ (WGRC)

7. क) अमर्त्य सेन द्वारा प्रतिपादित "लापता महिलाएँ" ("missing women")
   ख) वैश्वीकरण का महिलाओं पर प्रभाव

8. क) समकालीन महिला आंदोलन के लिए गांधीवादी विरासत
   ख) स्व-नियोजित महिला संघ (SEWA)

9. क) मान-हनन हत्या (honour killing) पर एक प्रकरण विश्लेषण (case analysis)
   ख) कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (sexual harassment at workplace)

10. क) पत्नी पिटाई/मारपीट संलक्षण (wife beating/battering syndrome)
    ख) पर्यावरणीय नारीवाद (eco-feminism)